हिन्दुस्तान – दि० 08/12/22

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा

आयुष विवि के निर्माण में देरी पर सीएम नाराज, कार्रवाई के निर्देश

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। दो दिवसीय दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक में कानून व्यवस्था व विकास कार्यों के बारे में चर्चा की। इस दौरान आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य धीमी गति से होने को लेकर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस मामले में जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

यह प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय है। अब तक इसका 60 फीसदी कार्य पूरा हो जाना चाहिए था लेकिन अभी तक 25 प्रतिशत काम भी नहीं हो पाया है। इसको लेकर सीएम ने सख्त रुख अपनाया है। सीएम ने गो तस्करी को पूरी तरह से रोकने की भी हिदायत दी है। मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाते हुए गो तस्करों पर प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश एसएसपी को दिया। नशामुक्ति की दिशा में काम करने का निर्देश भी उन्होंने दिया। अधिकारियों की ओर से नशामुक्ति के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। बैठक में मंडलायुक्त रवि कुमार एनजी, डीआइजी जे रविन्दर गौड, जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश, एसएसपी गौरव ग्रोवर, जीडीए उपाध्यक्ष प्रेम रंजन सिंह, नगर आयुक्त अविनाश सिंह एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

25 प्रतिशत निर्माण कार्य भी पूरा नहीं हो सका आयुष विश्वविद्यालय का

60 फीसदी निर्माण कार्य अब तक हो जाना चाहिए था पूरा

- नशे के कारोबारियों पर करें प्रभावी कार्रवाई
- गोरखपुर में बन रहा है प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय

प्रगतिशील किसानों को करें सम्मानित

बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी ली। इलेक्ट्रिक बस चलाने की योजना के सफल होने की जानकारी मुख्यमंत्री को अधिकारियों द्वारा दी गई। अधिकारियों ने और इलेक्ट्रिक बस चलाने की जरूरत बताई। मुख्यमंत्री ने इस मामले में सकारात्मक आश्वासन दिया है। उन्होंने प्रदेश के अन्य जिलों में गन्ना की खेती के बारे में अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि अच्छा करने वाले कृषकों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। निवेश बढ़ाने के लिए प्रयास करने को कहा।

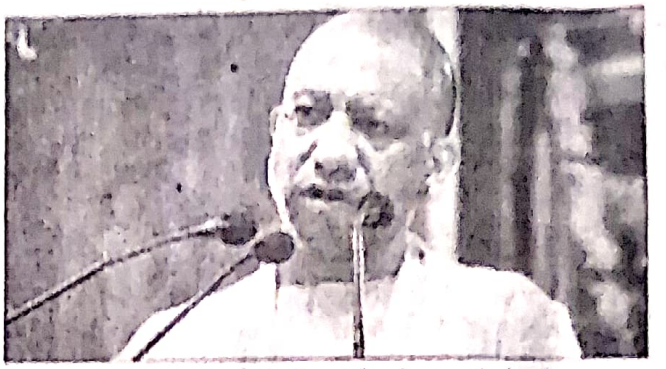

कानून व्यवस्था व विकास कार्यों की सीएम योगी आदित्यनाथ ने की समीक्षा।

कुसम्ही जंगल के इको टूरिज्म सेंटर का प्रजेंटेशन देखा

गोरखपुर, मुख्य संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुसम्ही जंगल में इको टूरिज्म सेंटर के प्रस्ताव को सराहा है। पर्यटकों को आकर्षित करने वाले प्रस्तावों की जरूरत बताते हुए इन पर विचार करने का आश्वासन भी दिया।

गोरखपुर वन प्रभाग के प्रभागीय वन अधिकारी विकास यादव ने बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में सीएम से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएम के समक्ष कुसम्ही जंगल के तिनकोनिया रेंज में प्रस्तावित इको टूरिज्म सेंटर का प्रस्ताव दिखाया। बताया कि विनोद वन और उसके आसपास के एरिया में पर्यटकों को नेचर कैम्पिंग, बर्ड वॉचिंग एवं वॉच टावर, एडवेंचर एक्टिविटी, आरोग्य इको टूरिज्म सेंटर, नेचर इंटरप्रटेशन सेंटर, नेचर ट्रेल एवं हाथी, घोड़ा, ऊंट और खुली जीप से सैर की सुविधा उपलब्ध कराएंगे। इन सुविधाओं के बदले में पर्यटकों को कुछ शुल्क चुकाना होगा। सीएम को बताया कि नेचर कैम्पिंग के अंतर्गत प्लेटफॉर्म एवं टायलेट की सुविधा से युक्त स्विस टेंट पर्यटकों को मिलेंगे।

256 फ्लैट की आवासीय योजना लांच करेगा जीडीए

मानबेला

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। पत्रकारपुरम के बाद मानबेला क्षेत्र में गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) टू बीएचके के 256 फ्लैट और बनाने जा रहा है। इस योजना के बारे में बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष प्रस्तुतीकरण

04 मंजिला होगा प्रत्येक ब्लॉक, सभी में 32-32 आवास होंगे

- मुख्यमंत्री के सामने दिया प्रजेंटेशन, 15 से शुरू होगी फ्लैट की बुकिंग
- टू-बीएचके फ्लैट की कीमत 29 लाख से 37 लाख

ग्राउंड फ्लोर के फ्लैट की कीमत होगी 37 लाख रुपये

मानबेला की आवासीय योजना का प्रत्येक ब्लॉक चार मंजिला होगा। ग्राउंड फ्लोर के लिए लोगों को सर्वाधिक रकम देनी होगी। करीब 58.8 वर्ग मीटर कारपेट एरिया वाले इस सेमी फर्निश्ड भूतल आवास की कीमत करीब 37 लाख 67 हजार व प्रथम, द्वितीय